हिंदी साहित्य : पाठ्यक्रम

संघ लोक सेवा आयोग (UPSC)

प्रश्नपत्र-1

खंड : 'क' (हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास)

1. अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक हिन्दी का व्याकरणिक तथा अनुप्रयुक्त स्वरूप।
2. मध्यकाल में ब्रज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।
3. सिद्ध एवं नाथ साहित्य, खुसरो, संत साहित्य, रहीम आदि कवियों और दक्खिनी हिन्दी में खड़ी बोली का प्रारंभिक स्वरूप।
4. उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली और नागरी लिपि का विकास।
5. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का मानकीकरण।
6. स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्र भाषा के रूप में हिन्दी का विकास।
7. भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास।
8. हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक और तकनीकी विकास।
9. हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ और उनका परस्पर संबंध।
10. नागरी लिपि की प्रमुख विशेषताएँ और उसके सुधार के प्रयास तथा मानक हिन्दी का स्वरूप।
11. मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना।

खंड : 'ख' (हिन्दी साहित्य का इतिहास)

1. हिन्दी साहित्य की प्रासंगिकता और महत्त्व तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास- लेखन की परम्परा।
2. हिन्दी साहित्य के इतिहास के निम्नलिखित चार कालों की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ

   (क) आदिकाल: सिद्ध, नाथ और रासो साहित्य। प्रमुख कवि: चंदबरदाई, खुसरो, हेमचन्द्र, विद्यापति।

   (ख) भक्ति काल: संत काव्य धारा, सूफी काव्यधारा, कृष्ण भक्तिधारा और राम भक्तिधारा। प्रमुख कवि : कबीर, जायसी, सूर और तुलसी।

   (ग) रीतिकाल: रीतिकाव्य, रीतिबद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य। प्रमुख कवि : केशव, बिहारी, पद्माकर और घनानंद।

   (घ) आधुनिक काल: (क) नवजागरण, गद्य का विकास, भारतेन्दु मंडल (ख) प्रमुख लेखक : भारतेन्दु, बाल कृष्ण भट्ट और प्रताप नारायण मिश्र।

   (ड.) आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ: छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता और जनवादी कविता।

   प्रमुख कवि : मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर', सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', गजानन माधव मुक्तिबोध, नागार्जुन।

3. **कथा साहित्य:**

   (क) उपन्यास और यथार्थवाद

   (ख) हिन्दी उपन्यासों का उद्भव और विकास

   (ग) प्रमुख उपन्यासकार : प्रेमचन्द, जैनेन्द्र, यशपाल, रेणु और भीष्म साहनी।

   (घ) हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास।

   (ड.) प्रमुख कहानीकार : प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', मोहन राकेश और कृष्णा सोबती।

4. **नाटक और रंगमंच :**
   (क) हिन्दी नाटक का उद्‌भव और विकास
   (ख) प्रमुख नाटककार : भारतेन्दु, जयशंकर प्रसाद, जगदीश चंद्र माथुर, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश।
   (ग) हिन्दी रंगमंच का विकास।
5. **आलोचना :**
   (क) हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास- सैद्धांतिक, व्यावहारिक, प्रगतिवादी, मनोविश्लेषणवादी आलोचना और नई समीक्षा।
   (ख) प्रमुख आलोचक - रामचन्द्र शुक्ल, हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा और नगेन्द्र।
6. **हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ:** ललित निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त।

प्रश्नपत्र-2

इस प्रश्नपत्र में निर्धारित मूल पाठ्यपुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिनसे अभ्यर्थी की आलोचनात्मक क्षमता की परीक्षा हो सके।

खंड : 'क' (पद्य साहित्य)

1. कबीर : कबीर ग्रंथावली (आरंभिक 100 पद) सं. श्याम सुन्दर दास
2. सूरदास : भ्रमरगीत सार (आरंभिक 100 पद) सं. रामचंद्र शुक्ल
3. तुलसीदास : रामचरित मानस (सुंदर काण्ड), कवितावली (उत्तर काण्ड)
4. जायसी : पदमावत (सिंहलद्वीप खंड और नागमती वियोग खंड) सं. श्याम सुन्दर दास
5. बिहारी : बिहारी रत्नाकर (आरंभिक 100 दोहे) सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर
6. मैथिलीशरण गुप्त : भारत भारती
7. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता और श्रद्धा सर्ग)
8. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : राग-विराग (राम की शक्ति पूजा और कुकुरमुत्ता) सं. रामविलास शर्मा
9. रामधारी सिंह 'दिनकर' : कुरुक्षेत्र
10. अज्ञेय : आंगन के पार द्वार (असाध्यवीणा)
11. मुक्तिबोध : ब्रह्मराक्षस
12. नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, हरिजन गाथा।

खंड : 'ख' (गद्य साहित्य)

1. भारतेन्दु : भारत दुर्दशा
2. मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन
3. रामचंद्र शुक्ल : चिंतामणि (भाग-1), (कविता क्या है, श्रद्धा-भक्ति)।
4. निबंध निलय : संपादक : डॉ. सत्येन्द्र। बाल कृष्ण भट्ट, प्रेमचन्द, गुलाब राय, हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, अज्ञेय, कुबेरनाथ राय।
5. प्रेमचंद : गोदान, 'प्रेमचंद' की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ (संपादक : अमृत राय)
6. प्रसाद : स्कंदगुप्त
7. यशपाल : दिव्या
8. फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आँचल
9. मन्नू भण्डारी : महाभोज
10. राजेन्द्र यादव (सं.) : एक दुनिया समानान्तर (सभी कहानियाँ)

हिंदी साहित्य : पाठ्यक्रम

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPCS)

प्रश्नपत्र-1

भाग-1 हिन्दी भाषा तथा नागरी लिपि का इतिहास

1. पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश तथा पुरानी हिन्दी का संक्षिप्त परिचय।
2. मध्यकाल में ब्रज और अवधी का काव्य भाषा के रूप में विकास।
3. खड़ी बोली का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।
4. राजभाषा, सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा एवं मानक भाषा के रूप में हिन्दी।
5. वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्र में हिन्दी भाषा की स्थिति।
6. हिन्दी भाषा का क्षेत्र और अवधी, ब्रज, खड़ी बोली, भोजपुरी, बुंदेली का क्षेत्र एवं भाषिक विशेषताएँ।
7. मानक हिन्दी का व्याकरणिक स्वरूप।
8. नागरी लिपि का उद्भव और विकास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, समस्याएँ और समाधान।
9. हिन्दी की शब्द-सम्पदा।

भाग-2 हिन्दी साहित्य का इतिहास

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा।

2. हिन्दी साहित्य के इतिहास में काल-विभाजन तथा नामकरण।

3. आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिक काल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

4. आधुनिक काल, पुनर्जागरण और भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता एवं परवर्ती काव्यधाराएँ।

(क) हिन्दी उपन्यास, हिन्दी कहानी, हिन्दी नाटक एवं रंगमंच: उद्भव-विकास एवं इनकी अधुनातन प्रवृत्तियाँ।

(ख) हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ: जीवनी, आत्मकथा, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तांत।

(ग) हिन्दी आलोचना का प्रारंभ और विकास। प्रमुख आलोचक: रामचंद्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, नगेन्द्र, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, रामस्वरूप चतुर्वेदी।

प्रश्नपत्र-2

खंड : 'क' (पद्य साहित्य)

इस प्रश्न-पत्र में निर्धारित रचनाओं में से व्याख्या एवं उन पर आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।

1. कबीर ग्रंथावली, (सम्पादक- श्याम सुन्दर दास) साखी संख्या 1 से 100 तक और पद संख्या 1 से 20 तक।

2. सूरदास : भ्रमरगीत सार (संपादक- रामचन्द्र शुक्ल), पद संख्या 51 से 100 (कुल 50 पद)

3. तुलसीदास : रामचरितमानस (उत्तरकांड- दोहा संख्या-75 से अंत तक)।

4. जायसी : पदमावत (संपादक- रामचन्द्र शुक्ल) सिंहलदीप खंड और नागमती वियोग खंड।

5. बिहारी संग्रह (प्रारंभ से 100 दोहे तक) हिन्दी परिषद प्रकाशन, इलाहाबाद।

6. जयशंकर प्रसाद- कामायनी-(श्रद्धा और इड़ा सर्ग)।

7. **सुमित्रानन्दन पंत**- नौका विहार, परिवर्तन।
8. **निराला**- राम की शक्ति पूजा।
9. **अज्ञेय**- असाध्यवीणा।
10. **मुक्तिबोध**- अंधेरे में।
11. **नागार्जुन**- बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद।

खंड : 'ख' (गद्य साहित्य)

1. **भारतेन्दु हरिश्चन्द्र**- अंधेर नगरी।
2. **जयशंकर प्रसाद**- स्कन्दगुप्त।
3. **रामचन्द्र शुक्ल**- चिन्तामणि भाग-एक (कविता क्या है, श्रद्धा और भक्ति)।
4. **हज़ारी प्रसाद द्विवेदी**- कुटज (निबंध)।
5. **प्रेमचन्द**- गोदान।
6. **फणीश्वरनाथ रेणु**- मैला आंचल।
7. **हिन्दी की कहानियाँ**- 1. प्रेमचन्द-माँ, 2. जयशंकर प्रसाद-आकाशदीप, 3. अज्ञेय-रोज़, 4. राजेन्द्र यादव-जहाँ लक्ष्मी कैद है, 5. उषा प्रियंवदा- वापसी।

संघ लोक सेवा आयोग के पाठ्यक्रम से भिन्न टॉपिक

प्रश्नपत्र-1	**भाग 1**	1. पालि, प्राकृत 2. सम्पर्क भाषा 3. हिन्दी की शब्द-सम्पदा
	भाग 2	**प्रमुख आलोचक:** नन्ददुलारे वाजपेयी, नामवर सिंह, रामस्वरूप चतुर्वेदी जीवनी, आत्मकथा
प्रश्नपत्र-2	**भाग 1**	**कबीर:** पद संख्या 1 से 20 तक **तुलसीदास: रामचरितमानस** (उत्तरकांड - दोहा संख्या-75 से अंत तक)। **जयशंकर प्रसाद:** कामायनी का इड़ा सर्ग **सुमित्रानन्दन पंत**- नौका विहार, परिवर्तन **मुक्तिबोध**- अंधेरे में
	भाग 2	**भारतेन्दु हरिश्चन्द्र**- अंधेर नगरी **हिन्दी की कहानियाँ**- 1. प्रेमचन्द-माँ, 2. जयशंकर प्रसाद-आकाशदीप, 3. अज्ञेय-रोज़, 4. राजेन्द्र यादव-जहाँ लक्ष्मी कैद है, 5. उषा प्रियंवदा- वापसी।

हिंदी साहित्य : पाठ्यक्रम

बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC)

प्रश्नपत्र-1

खंड 1. हिन्दी भाषा का इतिहास

1. अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक हिन्दी की व्याकरणिक और शाब्दिक विशेषताएँ।
2. मध्यकाल में अवधी और ब्रजभाषा का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।
3. 19वीं शताब्दी में खड़ी बोली हिन्दी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।
4. देवनागरी लिपि और हिन्दी भाषा का मानकीकरण।
5. स्वाधीनता संघर्ष के समय हिन्दी का राष्ट्रभाषा के रूप में विकास।
6. स्वतंत्रता के बाद भारत संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास।
7. हिन्दी की प्रमुख उप-भाषाएँ और उनका पारस्परिक संबंध।
8. मानक हिन्दी के प्रमुख व्याकरणिक लक्षण।

खंड 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास

1. हिन्दी साहित्य के प्रमुख कालों, अर्थात् आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग आदि की मुख्य प्रवृत्तियाँ।
2. आधुनिक हिन्दी की छायावाद, रहस्यवाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नई कहानी, अकविता आदि मुख्य साहित्यिक गतिविधियाँ और प्रवृत्तियों की प्रमुख विशेषताएँ।
3. आधुनिक हिन्दी में उपन्यास और यथार्थवाद का आविर्भाव।
4. हिन्दी में रंगशाला और नाटक का संक्षिप्त इतिहास।
5. हिन्दी में साहित्य समालोचना के सिद्धांत और हिन्दी के प्रमुख समालोचक।
6. हिन्दी में साहित्यिक विधाओं का उद्भव और विकास।

प्रश्नपत्र-2

इस प्रश्नपत्र में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों का मुक्त रूप से अध्ययन अपेक्षित होगा और ऐसे प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनसे उम्मीदवार की समीक्षा क्षमता की परीक्षा हो सके-

1. **कबीर** : कबीर ग्रंथावली (प्रारंभ के 200 पद, संपादक- श्याम सुंदर दास)
2. **सूरदास** : भ्रमरगीत सार (प्रारंभ के केवल 200 पद)
3. **तुलसीदास** : (i) रामचरितमानस (केवल अयोध्याकांड), (ii) कवितावली (केवल उत्तरकांड)
4. **भारतेन्दु हरिश्चन्द्र** : अंधेर नगरी
5. **प्रेमचंद** : (i) गोदान, (ii) मानसरोवर (भाग- एक)
6. **जयशंकर प्रसाद** : (i) चन्द्रगुप्त, (ii) कामायनी (केवल चिंता, श्रद्धा, लज्जा और इड़ा सर्ग)
7. **रामचन्द्र शुक्ल** : चिंतामणि (पहला भाग) : (प्रारंभ के 10 निबंध)
8. **सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला** : अनामिका (केवल सरोज स्मृति और राम की शक्ति पूजा)
9. **सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय** : शेखर : एक जीवनी
10. **गजानन माधव मुक्तिबोध** : चांद का मुँह टेढ़ा है (केवल अंधेरे में)

संघ लोक सेवा आयोग के पाठ्यक्रम से भिन्न टॉपिक

प्रश्नपत्र-1	**खंड 1**	कोई टॉपिक नहीं।
	खंड 2	कोई टॉपिक नहीं।
प्रश्नपत्र-2	**कबीर:** पद संख्या 101-200 **सूरदास:** पद संख्या 101-200 **तुलसीदास:** रामचरितमानस (अयोध्याकांड) **सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला :** सरोज स्मृति **जयशंकर प्रसाद:** कामायनी (लज्जा और इड़ा सर्ग) **गजानन माधव मुक्तिबोध :** अंधेरे में **भारतेन्दु हरिश्चन्द्र:** अंधेर नगरी **जयशंकर प्रसाद:** चन्द्रगुप्त **सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय :** शेखर : एक जीवनी **प्रेमचंद:** मानसरोवर (भाग- एक) की कुछ कहानियाँ **रामचन्द्र शुक्ल:** चिंतामणि के कुछ निबंध	